

ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप

ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप पूरी तरह से दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है, जिसके मध्य से होकर मकर रेखा गुजरती है। विश्व में ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसा देश है, जो संपूर्ण महाद्वीप पर फैला हुआ है। इसके चारों ओर महासागरों का घेराव है। पूर्व में प्रशांत महासागर, पश्चिम में हिन्द महासागर, दक्षिण में दक्षिणी सागर तथा उत्तर में अराफुरा सागर स्थित है। न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया से अलग करने वाला सागर, तस्मानिया सागर है, जो प्रशांत महासागर का ही भाग है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा आस-पास के द्वीपों को मिलाकर ऑस्ट्रेलेशिया कहा जाता है। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा पूर्वी तटीय क्षेत्र में स्थित है।

(A) **भौतिक स्थिति-** मुख्यतः तीन भौतिक भागों में बाँटा जा सकता है-

- (1) पश्चिमी पठार
- (2) मध्यवर्ती निम्नभूमि
- (3) पूर्वी उच्च भूमि

(1) **पश्चिमी पठार-** ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप पर लगभग 2/3 क्षेत्र में पठार विस्तृत है। पश्चिमी भाग का अधिकांश क्षेत्र मरुस्थलीय है, जिसमें चार मरुस्थल-ग्रेट विक्टोरिया, गिब्सन, ग्रेट सैंडी तथा तनामी पाये जाते हैं। पश्चिमी पठार का अधिकांश भाग पुरानी चट्टानों का बना हुआ है, जहाँ खनिजों के भंडार पाये जाते हैं। लौह अयस्क तथा सोने के भंडार यहाँ प्रमुख रूप से हैं, जिनमें कालगुर्ली तथा कूलगार्डी विश्व प्रसिद्ध सोने की खानें हैं।

(2) **मध्यवर्ती निम्न भूमि-** यह क्षेत्र उत्तर में कार्पेटेरिया की खाड़ी से लेकर दक्षिण में स्पेंसर की खाड़ी तक है, जिसकी औसत ऊँचाई 150 मी. से भी कम है। मर्रे और डार्लिंग नदियाँ इसी क्षेत्र से होकर बहती हैं, जिनका उद्गम पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के तट पर स्थित ग्रेट डिवाइडिंग रेंज से होता है। इसके अलावा इस क्षेत्र में बहने वाली कई और नदियाँ समुद्र तक न पहुँचकर अंतःस्थलीय अपवाह का उदाहरण पेश करते हुए झीलों में समा जाती हैं। मध्य निम्न भूमि में स्थित आयर झील एक अंतःस्थलीय अपवाह क्षेत्र है, जहाँ कम वर्षा के कारण आस-पास का क्षेत्र शुष्क रहता है। इसी क्षेत्र में सिम्पसन तथा स्टुअर्ट स्टोनी नामक मरुस्थल स्थित हैं।

(3) **पूर्वी उच्च भूमि-** पूर्वी उच्च भूमि का विस्तार ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के समान्तर, उत्तर में केप यार्क से लेकर दक्षिण में तस्मानिया तक है। पूर्वी तट पर स्थित ग्रेट डिवाइडिंग रेंज नामक ऊँचे-ऊँचे पठारों की पट्टी है, जो उत्तर में चौड़ी तथा कम ऊँची वहीं दक्षिण में संकरी तथा अधिक ऊँची है। कोशियुस्को ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च शिखर है, जो 2234 मी. ऊँचा है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट के साथ-साथ समुद्र में एक प्रवालभित्ति है, जिसे ग्रेट बैरियर रीफ के नाम से जाना जाता है। यह विश्व में सबसे अधिक लम्बी है। इसकी लम्बाई लगभग 1900 किमी. है। ऑस्ट्रेलिया की अधिकांश नदियाँ पूर्वी तट पर स्थित उच्च भूमि से निकलती हैं।

(B) **अपवाह क्षेत्र/ प्रतिरूप-** महाद्वीप के पश्चिमी भाग में प्रवाहित होने वाली नदियाँ- स्वान, ग्रीको, मार्चिसन, डॉली, पिट्जराय तथा बुशमैन आदि पश्चिमी पठार से निकलकर हिन्द महासागर में गिर जाती हैं। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रान्त में स्थित अर्नहमलैंड नामक दलदली भूमि से होकर डॉली नदी प्रवाहित होती है। दक्षिणी सागर में गिरने वाली नदियों में मर्रे, डार्लिंग, खिरीना, लचलान, पारू तथा बारवन आदि सम्मिलित पीला सागर हैं। मैकेंजी, मिचेल, नार्मन, मैकआर्थर आदि नदियाँ प्रशांत महासागर में गिरने वाली पूर्वी अपवाह की नदियों का उदाहरण हैं। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी झील, आयर में अपना जल गिराने वाली नदियाँ- बारबरटन, स्टीवेंसन तथा हेमिल्टन आदि अन्तःस्थलीय अपवाह का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

(D) **जलवायु दशायें-** ऑस्ट्रेलिया दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित देश है, जिसके बीच से मकर रेखा गुजरती है, अर्थात् यहाँ की ऋतुयें उत्तरी गोलार्द्ध से विपरीत होती हैं। ऑस्ट्रेलिया का अधिकांश भाग शुष्क क्षेत्र है, जिस कारण इसे 'प्यासी भूमि का देश' कहा जाता है। ऑस्ट्रेलिया का मरुस्थल, दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित सबसे बड़ा मरुस्थल है। महाद्वीप के पूर्वी, उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्रों में पवनें समुद्र से स्थल की ओर

चलती है, अतः वर्षा की मात्रा तट से दूरी के साथ-साथ घटती जाती है। महाद्वीप के पश्चिमी तट पर ठण्डी जलधारा के प्रभाव तथा मध्यवर्ती क्षेत्र में हवाओं के शुष्क होने के कारण वर्षा की मात्रा अत्यन्त कम पायी जाती है, जिससे ये क्षेत्र जल अभाव से जूझते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी तट पर भूमध्यसागरीय जलवायु दशायें पायी जाती हैं, जहाँ केवल जाड़ों में वर्षा होती है। तस्मानिया द्वीप पर समुद्री जलवायु का प्रभाव वर्ष भर रहता है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी भाग में ग्रीष्म ऋतु के समय मानसूनी जलवायु का प्रभाव रहता है तथा ये पवनें ऋतु परिवर्तन के साथ ही अपनी दिशा भी बदल लेती हैं।

- (E) **प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्यजीव-** ऑस्ट्रेलिया की वनस्पति तथा वन्य जीव वितरण सम्पूर्ण विश्व से सर्वाधिक भिन्न है तथा यहाँ जल संसाधनों की कमी पाई जाती है। यह महाद्वीप जैव-विविधता की दृष्टि से विश्व के हॉट-स्पॉट की सूची में शामिल है। यूकेलिप्टस यहाँ का सामान्य, सदाहरित वृक्ष है, जिसे गॉद (गम) वृक्ष के नाम से पुकारा जाता है। इसी वृक्ष की दो अन्य किस्मों, **जारी और कारी** से मूल्यवान इमारती लकड़ी की प्राप्ति होती है। तटीय क्षेत्रों में जहाँ भारी वर्षा के कारण घने वन पाये जाते हैं, वहीं महाद्वीप के आंतरिक भागों में शुष्क जलवायु के कारण घास तथा झाड़ियाँ अधिक मात्रा में उगती हैं। उत्तर-पूर्वी तटीय प्रदेश वन क्षेत्र हैं तथा शीतोष्ण वन महाद्वीप के तस्मानिया, दक्षिण-पूर्वी तथा दक्षिण-पश्चिम भागों में पाये जाते हैं।

मकर रेखा के मध्य से गुजरने के कारण तापमान विविधता के चलते दो तरह की घास भूमि ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में पायी जाती है, जिनमें उत्तर की उष्णकटिबंधीय घास भूमि को **सवाना** कहा जाता है तथा दक्षिण की ओर विस्तारित शीतोष्ण कटिबंधीय घास भूमि को **डाउन्स** के नाम से जाना जाता है, जो **मर्रे-डार्लिंग** नदी बेसिन में फैली है। यह घास भूमि चारागाह के लिये प्रसिद्ध है। ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में सर्वाधिक मार्सूपियल वर्ग के जंतु पाये जाते हैं, जिनमें कंगारू, जो ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय जीव है, कोआला तथा बेल्लावी प्रमुख हैं। यहाँ पर पाया जाने वाला डिंगो नामक जीव एक जंगली कुत्ता है तथा प्लैटिपस संसार का सबसे विचित्र प्राणी है, जिसमें पशु तथा पक्षी दोनों के लक्षण विद्यमान होते हैं। यह दौड़ता है, जमीन में सुरंग बनाता है तथा पानी में तैरता भी है। एमू यहाँ का विचित्र पक्षी है, जिसकी टांगें लंबी होती हैं। पंखहीन होने के कारण यह उड़ नहीं सकता, लेकिन शुतुरमुर्ग की तरह खूब तेज दौड़ता है। कोकाबरा और लायर बर्ड भी यहाँ के अनोखे पक्षी हैं। जहाँ पहला विचित्र हँसी वाला है, वहीं दूसरा नकलची। कोकाबरा को **लाफिंग जैकास** भी कहते हैं।

- (F) **कृषि एवं पशुपालन-** महाद्वीप का अधिकांश भाग शुष्क होने के कारण केवल 15% क्षेत्र ही कृषि योग्य है, जिसमें 4% भाग पर ही खेती की जाती है। ऑस्ट्रेलिया एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ गेहूँ की खेती मुख्य रूप से की जाती है। न्यू साउथ वेल्स तथा पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया प्रांत गेहूँ के मुख्य उत्पादक हैं। मक्के का उत्पादन मुख्यतः न्यू साउथवेल्स तथा क्वींसलैण्ड प्रान्त में किया जाता है। गन्ना, तम्बाकू तथा कपास मुख्यतः क्वींसलैण्ड में उत्पादित होते हैं। अनन्नास, केला तथा पपीता उत्तर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में तथा सेब, संतरा तथा अंगूर दक्षिण के शीतकटिबंधीय क्षेत्रों में पैदा किये जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा भेड़ पालक राष्ट्र है, यहाँ मर्रे-डार्लिंग नदी बेसिन क्षेत्र विश्व स्तर पर भेड़ पालन के लिये विख्यात है। यहीं पर मेरिनो नामक भेड़ प्रजाति पाली जाती है, जिसे स्पेन से आयातित किया गया था। विश्व स्तर पर ऑस्ट्रेलिया, मेरिनो ऊन का सबसे बड़ा निर्यातक है। क्वींसलैण्ड तथा न्यू साउथवेल्स प्रमुख भेड़-पालक राज्य हैं।

विविध

- ऑस्ट्रेलिया में खनिजों का पर्याप्त भण्डार हैं, जिनमें कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, मैंगनीज, टिन तथा सोना आदि प्रमुख हैं।
- ऑस्ट्रेलिया, बॉक्साइट का सबसे बड़ा उत्पादक है, किन्तु निर्यात की दृष्टि से 5वाँ देश है। इसका कारण स्वयं के कारखानों द्वारा बॉक्साइट की बड़ी मात्रा में खपत है।
- लौह अयस्क, टिन तथा मैंगनीज का उत्पादन तथा निर्यात अधिक मात्रा में होता है।

- 'ओपल' नामक दूधिया रंग की धातु भी यहाँ पायी जाती है, जिसका उपयोग चूड़ियाँ और अंगूठियाँ बनाने में किया जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा बन्दरगाह शहर सिडनी है।
- यहाँ की लगभग 85% जनसंख्या केवल 8 शहरों में निवास करती हैं।
- ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों को **एवोजिंस** कहते हैं तथा पश्चिमी भाग में **बिंदीबू** नामक जनजाति पाई जाती है।
- ऑस्ट्रेलिया की 75% खनिज और कृषि पर आधारित वस्तुयें निर्यात की जाती हैं।
- यहाँ का मुख्य यातायात साधन रेलमार्ग है। यहाँ एकमात्र अंतर्महाद्वीपीय रेलमार्ग 'ट्रांस ऑस्ट्रेलिया रेलवे' है, जो 4000 km. की दूरी के साथ सिडनी और पर्थ को जोड़ता है।
- महाद्वीप के दक्षिण में स्थित तस्मानिया प्रांत, जो एक द्वीपीय प्रांत है, ऑस्ट्रेलिया से बॉस जलसंधि द्वारा अलग होता है। यहाँ की सर्वोच्च चोटी माउंट ओस्सा है।
- महाद्वीप के उत्तर में कार्पेटेरिया की खाड़ी स्थित है। वहीं पर अराफुरा सागर में स्थित टेरेंस की खाड़ी है, जिससे पापुआ न्यू गिनी अलग होता है।
- पूर्वी तट से संलग्न ग्रेट बैरियर रीफ है, जो कोरल सागर में स्थित विश्व की सबसे बड़ी मूंगा संरचना है।
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के पूर्वी तटीय क्षेत्र का विकास, जीवन के लिये अनुकूल जलवायु की उपस्थिति के कारण सर्वाधिक हुआ है तथा यहाँ पर जनसंख्या की अधिक सघनता पाई जाती है।
- केप यॉर्क पेनिनसुला (प्रायद्वीप) क्वींसलैण्ड राज्य में, अरहम लैण्ड उत्तरी राज्य में तथा किम्बरले का पठार पश्चिमी राज्य में स्थित है।
- तिमोर सागर, ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र से संलग्न हिन्द महासागर में स्थित है।

न्यूजीलैंड

- न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में लगभग 2000 km. की दूरी पर प्रशान्त महासागर में स्थित है, जिसे 'दक्षिण का ब्रिटेन' की संज्ञा दी जाती है।
- न्यूजीलैंड तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच में तस्मान सागर स्थित है।
- न्यूजीलैंड मुख्यतः दो द्वीपों पर बसा हुआ है, उत्तरी द्वीप तथा दक्षिणी द्वीप। दोनों द्वीपों के बीच कुक जलसंधि स्थित है।
- उत्तरी द्वीप, दक्षिणी द्वीप से छोटा है, फिर भी इस पर अधिक जनसंख्या रहती है तथा यहीं पर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन है, जो एक बन्दरगाह राजधानी का उदाहरण है।
- न्यूजीलैंड की प्रमुख पर्वत शृंखला दक्षिणी अल्पस दक्षिणी द्वीप पर स्थित है, जिसकी सर्वोच्च चोटी माउंट कुक है।
- दक्षिणी द्वीप के पूर्वी भाग में कैंटरबरी का मैदान, पर्वतपदीय जलोढ़ मैदान का उदाहरण है, जिसका विकास न्यूजीलैंड की पर्वत शृंखला से निकलने वाली नदियों द्वारा हुआ है।
- उत्तरी द्वीप में न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी नदी वैकाटो बहती है।
- न्यूजीलैंड दक्षिणी गोलार्द्ध के शीतोष्ण कटिबंध में स्थित देश है। अतः इसकी जलवायु शीतोष्ण आर्द्र है।
- न्यूजीलैंड की ठण्डी, आर्द्र जलवायु घास उगाने के लिये बहुत उपयुक्त है। इसी कारण इस देश का 50% से अधिक भाग चारागाह है, जहाँ भेड़ें तथा अन्य पशु पाले जाते हैं।
- कैंटरबरी का मैदान देश में सर्वाधिक उपजाऊ क्षेत्र है।
- गेहूँ, फल, जौ, सब्जी आदि यहाँ की मुख्य फसलें हैं।

- यहाँ के अधिकांश वृक्ष देशी हैं तथा विदेशों से भी अन्य वृक्षों को लाकर लगाया गया है। देशी मूल के वृक्षों को **पुका** तथा **काउरी** के नाम से जाना जाता है। देश में पायी जाने वाली अधिकांश वनस्पति, कोणधारी तथा सदाबहार प्रकार के वृक्षों की है।
- न्यूजीलैण्ड के जीव जंतु ऑस्ट्रेलिया में पाये जाने वाले जन्तुओं के ही समान हैं।
- देश में द्वि-सांस्कृतिक समाज की विशेषता देखी जाती है, अर्थात् यहाँ के मूल निवासी **माओरी** तथा अधिकतर यूरोपीय मूल के पाये जाते हैं, जिनमें अधिकतर यूरोपीय इंग्लैण्ड तथा स्कॉटलैण्ड से हैं।
- माओरी लोग यूरोपीयों को **पकेहा** कहते हैं, जिसका अर्थ शोषण करने वाले लोगों से है। अधिकतर माओरी उत्तरी द्वीप में रहते हैं।
- न्यूजीलैण्ड एक नगरीकृत देश है, जिसका सबसे बड़ा नगर ऑकलैण्ड उत्तरी द्वीप पर स्थित है। कैंटरबरी मैदान का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र तथा यहाँ का प्रमुख नगर क्राइस्टचर्च है।

